>

Title: Need to open the closed level crossings in Pratapgarh district, Uttar Pradesh.

राजकुमारी रत्ना सिंह (प्रतापगढ़): मेरे संसदीय क्षेत्र प्रतापगढ़ में जो रेलवे फाटक हैं जिनका उपयोग स्थानीय लोग 15 से 20 साल से अपने खेतों एवं अन्य कार्यों के लिए कर रहे थे वहां रेलवे विभाग ने बड़े-बड़े गड्डे फाटक के पास कर दिए और बैरियर बनाकर स्थानीय लोगों को रेलवे फाटक से आने-जाने के लिए रोक लगा दी। अब लोगों को रेलवे लाईन के इस पार और उस पार जाने के लिए बीस-बीस किलोमीटर दूर तक जाना पड़ता है और किसानों को अपने खेतों में काम करने में कई असुविधाएं हो रही हैं, उनके वाहनों पर पैट्रोल ज्यादा खर्च हो रहा है और समय भी बर्बाद हो रहा है। इस जन-विरोधी कार्य के लिए इस जिले में आंदोलन हो रहे हैं और लोगों में जबरदस्त आक्रोश है। कई ऐसे फाटक हैं जिनका उपयोग पब्लिक काफी तादाद में करती है जैसे जगेसरगंज, मकूनपुर एवं प्रतापगढ़ शहर में रामलीला मैदान के पास वाले फाटक। ये फाटक पब्लिक के आने-जाने के लिए बंद कर दिए गए हैं। रेलवे ने इस संबंध में किसी जनप्रतिनिधि से कोई सलाह मशविरा नहीं किया और अपनी सहूलियत के हिसाब से फाटक बंद कर दिए जो जनविरोधी कार्य है।

सरकार से अनुरोध है कि इस संबंध में जन सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रतापगढ़ जिले के बंद रेलवे फाटकों को जल्द खोला जाए जिससे पब्लिक को कोई तकलीफ न हो और किसान अपने खेतों में सुविधानुसार कार्य कर सकें।